विश्व पृथ्वी दिवस

सोसाइटियों और कॉरपोरेट ऑफिस में दिन के वक्त कृत्रिम रोशनी की जरूरत नहीं पड़ेगी

नोएडा में ग्रीन बिल्डिंग बचाएंगी बिजली और पानी

नोएडा | **वरिष्ठ संवाददाता**

नोएडा में विकसित देशों की तर्ज पर ग्रीन बिल्डिंग बनने लगी हैं। इन बिल्डिंग से बिजली और पानी की बर्बादी तो रुकेगी ही साथ ही पर्यावरण को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा। शहर में फिलहाल पांच बहुमंजिला ग्रीन बिल्डिंग बन कर तैयार हैं। अगले तीन सालों में इस तरह के 35 और भवनों का निर्माण पूरा होगा।

ग्रीन बिल्डिंग का डिजाइन, निर्माण, रखरखाव और संचालन इस तरह से किया जाता है कि बिजली और पानी का कम से कम इस्तेमाल होता है। निर्माण सामग्री से लेकर सुविधाएं भी इस तरह की दी जाती हैं, जिनसे पर्यावरण को कोई नुकसान न हो। उदाहरण के तौर पर ग्रीन बिल्डिंग

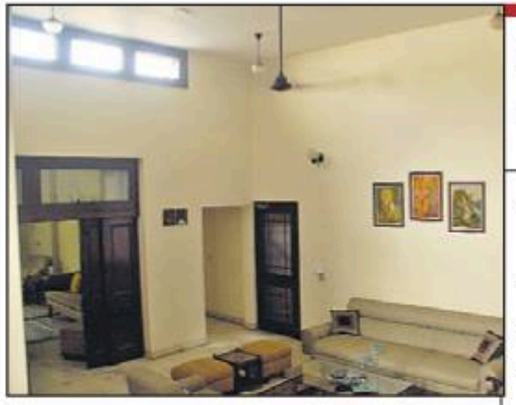

सेक्टर-14 स्थित सी-59 में रोशनदान से कमरे में पहुंचती प्राकृतिक रोशनी। ● ईश्वर

लाल ईंटों का इस्तेमाल नहीं होता है। दरअसल लाल ईंटों को बनाने में धरती की सबसे ऊपजाऊ परत इस्तेमाल होती है। इस परत को बनने में 150 साल लगते हैं। ऐसे ही भवन परिसर में एटीएम, मेडिकल स्टोर और जनरल स्टोर जैसी सुविधाएं हों। ताकि भागदौड़ में पेट्रोल न खर्च हो।

05 ग्रीन बिल्डिंग शहर में हो चुकी हैं तैयार

03 साल में 35 ग्रीन बिल्डिंग और बनेंगी

क्या हैं ग्रीन बिल्डिंग

ऐसे भवन जिनके निर्माण से लेकर संचालन में ऊर्जा और पानी का कम से कम इस्तेमाल हो। साथ ही पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाए।

ये हैं मानक

गृह प्रवेश लिमिटेड के सीएमडी अभय कुमार बताते हैं कि ग्रीन बिल्डिंग के 125 मानक तय किए गए हैं। इनमें से निर्माता को 75 पूरे करने होते हैं। सर्टिफिकेट देने का काम भारत में चार एजेंसियां करती हैं। निर्माता को निर्माण शुरू करने से पहले इन चार में से किसी एक एजेंसी के यहां आवेदन करना होता है। निर्माण पूरा होने के बाद एजेंसी मानकों की जांच कर सर्टिफिकेट देती हैं।

> हम नोएडा में ग्रीन बिल्डिंग को बढ़ावा दे रहे हैं। इसके लिए ग्रीन बिल्डिंग बनाने वालों को दशमलव पांच ज्यादा फ्लोर एरिया रेशियो भी दिया जा रहा है। प्राधिकरण का सेक्टर 96 में जो बहुमंजिला भवन बनेगा, वह भी ग्रीन बिल्डिंग होगा।
>
> **मनोज राय,**
> ओएसडी, नोएडा

सर्टिफिकेट देने वाली एजेंसियां

● इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल ● लीडरशिप एनर्जी एंड इन्वायरमेंटल डिजाइन ● ग्रीन रेटिंग फॉर इंटेग्रेटेड हैबिटेट अस्सिमेंट ● इको हाउसिंग

नोएडा में तैयार ग्रीन बिल्डिंग

● सेक्टर-100 में लोटस बुलेवार्ड ● सेक्टर 77 में गृहप्रवेश ● सेक्टर एक में गेल इंडिया का भवन ● सेक्टर-127 में लोटस ग्रीन ● फिल्मसिटी में एक मीडिया हाउस का भवन

इस घर में दिन में नहीं जलते हैं बल्ब

सेक्टर-14 के सी-59 में रहने वाले सुशील अग्रवाल ने घर इस तरह से बनवाया है कि दिन में कोई बल्ब जलाने की जरूरत नहीं पड़ती है। उन्होंने घर के अगले हिस्से में बीम 11 फुट और बाकी हिस्से में 14 फुट की ऊंचाई पर डाला है। रोशनदान ऐसे बनाए हैं कि सूरज किसी भी दिशा में रहे, कमरों में प्राकृतिक प्रकाश पहुंचता है। वह हर माह 35% बिजली बचाते हैं।